No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-1

00605

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। पहला प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **10x2=20**

(क) मोकों कहाँ ढूंढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहों, पल भर की तालास में।
कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में।।

(ख) चरन कमल बंदौ हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै अंधे कौ सब कछु दरसाइ।।
बहिरौ सुनै गूँग पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सूरदास स्वामी करूनामय बार-बार बंदौं तिहिं पाइ।।

(ग) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग गजत कानीन छवै।
हँसि बोलन मैं छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है छै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल-कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की, परिहे मनौ रूप अबै धर च्वै।।

2. रासो काव्य के रूप में 'पृथ्वीराज रासो' की विशेषताएँ बताइए। 10

3. कबीर की भाषा के विविध रूपों का विश्लेषण कीजिए। 10

4. 'पद्मावत' में उद्घाटित लोक परम्परा और लोक जीवन को रेखांकित कीजिए। 10

5. भक्त कवि के रूप में सूरदास का मूल्यांकन कीजिए। 10

6. मीरा के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए। 10

7. तुलसीदास के काव्य में वर्णित समाज का परिचय दीजिए। 10

8. शृंगार के कवि के रूप में हिंदी काव्य में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए। 10